दिल्ली पब्लिक स्कूल ,जम्मू

सत्र **(**2018–19**)**

अभ्यास पत्र **(**पूर्व परीक्षा**-1)**

कक्षा –नवम् विषय –हिन्दी

पाठ्यक्रम –

स्पर्श – रैदास , रहीम के दोहे , दुख का अधिकार , एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा

संचयन – गिल्लू

व्याकरण

1) वर्ण–विचार (अनुनासिक , अनुस्वार तथा आगत ध्वनियाँ) , (वर्ण–विच्छेद)

2) उपसर्ग –प्रत्यय (पाठ के आधार पर)

3) पत्र–लेखन , अनुच्छेद

4) अपठित गद्यांश

निर्देश :–

1) कृप्या लेख सुंदर व स्पष्ट होना चाहिए।

2) प्रश्नों के उत्तर देते हुए शब्दों की सीमा अनावश्यक मत बढ़ाएं।

3) प्रश्नों के उत्तर देते हुए प्रश्नों के न० अवश्य लिखिए।

4) अभ्यास पत्र के चार भाग हैं – खंड क ,ख ,ग तथा घ ।

खंड ' क ' (अपठित बोध)

प्र०1. निम्नलिखित गद्याँश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

वर्तमान शिक्षा–प्रणाली जीवन के लिए घोर अभिशाप सिद्ध हो रही है। शिक्षा मनुष्य को सुसंस्कृत एवं स्वावलंबी बनाने का साधन होना चाहिए, किंतु शिक्षा में यह गुण नहीं है। आज का सुशिक्षित युवग वर्ग न केवल दूसरों के लिए बल्कि स्वयं अपने लिए भी दुखदायी बन रहा है। देश में बेरोज़गारी इंजीनियरों, वकीलों, वैज्ञानिकों तथा डॉक्टरों की विशाल संख्या देश के लिए अभिशाप बन गई है। शिक्षा ने उनमें 'सादा जीवन, उच्च विचार' और सेवा–वृत्ति उत्पन्न नहीं की। अन्यथा वे गाँवों को स्वर्ग बनाकर राष्ट्र–हित कर पाते, देश की सच्ची सेवा कर पाते। वर्तमान शिक्षा–प्रणाली में नगरोचित तत्त्वों की प्रधानता है, जबकि भारत माता ग्राम–वासिनी है। ग्राम–विकास की योजनाओं को शहरी शिक्षण तत्व कैसे पूरा कर सकते हैं? उलटा इससे गाँव की ओर विमुखता ही जाग्रत हुई है।

भारत जनतंत्र का उपासक है। यह जीवन–शैली भारत ने अपनाई है। जनता की शिक्षा का माध्यम जनता की भाषा होनी चाहिए। विदेशी भाषा के माध्यम से भारत का नागरिक विदेशी आचार–विचार, रहन–सहन, जीवन–पद्धति, सभ्यता और संस्कृति ही ग्रहण करेगा। हम उपनिषदों और वेदों का आदर इसलिए नहीं करते कि वे हमारे दर्शन–ग्रंथ हैं, ज्ञान के आगार हैं, अपितु इसलिए करते हैं कि मैक्समूलर और ब्लावेट्स्की ने इनकी प्रशंसा की है। हम अपने दर्शन–ग्रंथों को संस्कृत में नहीं, अंग्रेज़ी के माध्यम से पढ़कर गौरवान्वित होते हैं।

क) वर्तमान शिक्षा–प्रणाली जीवन के लिए घोर अभिशाप कैसे सिद्ध हो रही है?

ख) वर्तमान शिक्षा–प्रणाली ने युवक वर्ग पर क्या प्रभाव डाला है?

ग) वर्तमान शिक्षा–प्रणाली में किन तत्त्वों की प्रधानता है?

घ) शिक्षा का माध्यम जनता को भाषा ही क्यों होनी चाहिए?

ङ) विदेशी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने से क्या प्रभाव पड़ेगा?

खंड ' ख ' (व्यवहारिक व्याकरण)

प्र०2. निम्नलिखित प्रश्नों के कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :–

1) मनुष्य, कृपण (वर्ण–विच्छेद कीजिए)

2) i) उ + म् + र् + अ

ii) क् + अ + व् + इ + त्+ आ (शब्द बनाइए)

3) आशका ,बधन (उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए)

4) पत्तिया , मुह (उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए)

5) साफ , नजदीक (उचित स्थान पर नुक्ता लगाकर पुनः लिखिए)

प्र०3. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :–

i) उपसर्ग व मूल शब्द को अलग–अलग करके लिखिए – हरदम , आरोही

ii) मूल शब्द व प्रत्यय को अलग–अलग करके लिखिए – नगरीय , व्यंजित

खंड ' ग ' (पाठ्यपुस्तक के आधार पर प्रश्नोत्तर)

प्र०4. निम्नलिखित प्रश्नों का यथायोग्य उत्तर दीजिए –

1) लेखिका को जय कहाँ मिला ? उसने उससे क्या कहा ?

2) बुढ़िया के लड़के की मृत्यु कैसे हुई ?

3) हिमपात किसे कहते हैं ?

प्र०5. पाठ दुख का अधिकार समाज में फैले अंधविश्वासों और ऊँचनीच के भेदभाव का पर्दाफाश करती है। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। अथवा

''रहिमन निज मन की विधा, मन ही राखो गोय''–कवि रहीम ने ऐसा क्यों कहा है अपने विचारों से स्पष्ट कीजिए।

प्र०6. पठित काव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों का यथायोग्य उत्तर दीजिए –

1) रैदास ने अपने स्वामी को कौन– कौन से नामों से पुकारा हैं ?

2) रहीम के दोहों की विशेषता बताइए ।

3) रैदास ने किन उदाहरणों द्वारा सिद्ध किया है कि प्रभु के बिना वह अपनी कल्पना भी नहीं कर सकता ?

प्र०7. गिल्लू एक संवेदनशील प्राणी है।– इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

खंड ' घ ' (रचनात्मक अभिव्यक्ति)

प्र०8. दिए गए संकेत–बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए – भारतीय किसान

- किसान : श्रमशील प्राणी
- किसानों की दशा
- किसानों में जागृति
- उपसंहार

प्र०9. विदेश यात्रा पर जाने वाले अपने मित्र की मंगलमय यात्रा के लिए कामना करते हुए पत्र लिखिए।